RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 17 से 23 जनवरी 2026 | भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष- 13 | अंक-75 | पृष्ठ- 8 | मूल्य- रु. 5 /-

दावोस 2026: मध्य प्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने पहली बार वैश्विक निवेशकों को दिया आकर्षक प्रस्ताव; पर्यटन पर विशेष फोकस

खजुराहो, साँची, ओरछा और पचमढ़ी को वैश्विक पर्यटन हब बनाने का लक्ष्य; 50,000 करोड़ निवेश और 2 लाख रोजगार का वादा

दावोस (स्विट्जरलैंड): विश्व आर्थिक मंच (WEF) दावोस 2026 में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहली बार वैश्विक निवेशकों के सामने राज्य का रोडमैप पेश किया। मुख्य फोकस पर्यटन विकास पर रहा, जिसमें खजुराहो, साँची, ओरछा, पचमढ़ी और भेड़ाघाट जैसे विश्व प्रसिद्ध स्थलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटन हब बनाने की योजना शामिल है।

डॉ. यादव ने कहा, मध्य प्रदेश में प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक विविधता का अनोखा संगम है। हम 2030 तक पर्यटन से राज्य की GDP में 10% योगदान का लक्ष्य रखते हैं। उन्होंने वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 50,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का खुलासा किया, जिसमें लग्जरी रिसॉर्ट्स, इको-टूरिज्म, एडवेंचर स्पोर्ट्स और हेरिटेज सर्किट्स शामिल हैं।

सीएम ने खजुराहो में विश्व स्तरीय पर्यटन सुविधाओं, साँची में बौद्ध सर्किट और ओरछा में हेरिटेज होटल्स के विकास पर जोर दिया। पचमढ़ी को हिल स्टेशन के रूप में और भेड़ाघाट को एडवेंचर टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने की योजना बताई। उन्होंने कहा कि राज्य में 2 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे और पर्यटन से स्थानीय समुदायों को लाभ मिलेगा।

यह प्रस्ताव 'विकसित भारत 2047' और 'विकसित मध्य प्रदेश' विजन से जुड़ा है। वैश्विक निवेशकों ने मध्य प्रदेश की प्रगति और निवेश नीतियों की सराहना की। डॉ. यादव ने कहा, हम हर निवेशक को पलक-पावड़े बिछाकर स्वागत करेंगे। यह पहला मौका था जब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दावोस में सीधे वैश्विक मंच पर निवेशकों से संवाद किया।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रस्ताव राज्य में पर्यटन निवेश को नई गति देगा। मध्य प्रदेश के शेयर बाजार में संबंधित कंपनियों में सकारात्मक प्रतिक्रिया आई। यह कदम भारत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूत करेगा।

2025 में भारत निर्मित कारों का रिकॉर्ड निर्यात: वैश्विक बाजारों में नई ऊंचाई

50 लाख यूनिट्स का निर्यात, SUV का 60% योगदान; अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका प्रमुख गंतव्य

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) को अधिक ऋण उपलब्ध कराने के लिए स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (SIDBI) में 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह राशि SIDBI की क्रेडिट गारंटी फंड और लोन स्कीम्स को मजबूत करेगी, ताकि MSME सेक्टर में क्रेडिट फ्लो बढ़ सके।

यह निवेश MSME को 50 लाख करोड़ रुपये के क्रेडिट लक्ष्य की ओर ले जाएगा, जो वर्तमान में 35 लाख करोड़ रुपये के आसपास है। सरकार ने कहा कि SIDBI के माध्यम से ब्याज सब्सिडी, क्रेडिट गारंटी कवर (75% से 85% तक) और डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा दिया जाएगा। विशेष फोकस महिलाओं और ग्रामीण उद्यमियों पर रहेगा।

MSME सेक्टर भारत की GDP में 30% योगदान देता है और 11 करोड़ से अधिक रोजगार प्रदान करता है। हालांकि, क्रेडिट गैप अभी भी 20-25 लाख करोड़ रुपये का है।

SIDBI चेयरमैन ने कहा, यह फंड छोटे उद्यमियों को सस्ता और तेज ऋण देगा। हम AI-बेस्ड क्रेडिट स्कोरिंग और फिनटेक पार्टनरशिप से प्रक्रिया आसान बनाएंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देगा। पिछले दो वर्षों में MSME क्रेडिट 25% बढ़ा है, लेकिन बैंकों की सतर्कता से चुनौतियां बनी हुई हैं। यह निवेश 2026-27 बजट से पहले MSME सेक्टर को मजबूती देगा।

टोयोटा ने लोकल प्रोडक्शन का भारत में रोडमैप बदला: कमजोर रुपया और EV अब बड़े ड्राइवर

2026 में 10 नए मॉडल्स, 5 हाइब्रिड और 3 इलेक्ट्रिक लॉन्च; लोकल प्रोडक्शन बढ़ाकर 5 लाख यूनिट्स का लक्ष्य

मुंबई: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (TKM) ने भारत में अपनी रणनीति को पूरी तरह नया रूप दिया है। कंपनी ने कमजोर रुपये और इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) की तेजी को देखते हुए 2026 में 10 नए मॉडल्स लॉन्च करने की घोषणा की है। इनमें 5 हाइब्रिड, 3 इलेक्ट्रिक और 2 नई ICE (इंटरनल कम्बशन इंजन) कारें शामिल हैं। टोयोटा के इंडिया हेड विक्रम गुलाटी ने कहा, रुपये की कमजोरी से आयातित पार्ट्स महंगे हो गए हैं, इसलिए हम लोकल प्रोडक्शन बढ़ा रहे हैं। EV और हाइब्रिड अब हमारा मुख्य फोकस हैं।

टोयोटा ने बिडाडी प्लांट की क्षमता बढ़ाकर 4 लाख यूनिट्स सालाना करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने हाइब्रिड टेक्नोलॉजी को भारत में लोकलाइज किया है, जिससे लागत 15-20% कम हुई है।

गुलाटी ने कहा, हमारा लक्ष्य 2026 में 5 लाख यूनिट्स बेचना है। EV सेगमेंट में हम 20% बाजार हिस्सेदारी चाहते हैं। कंपनी ने हाल ही में इनोवा हाइक्रॉस और हाइराइडर हाइब्रिड को लॉन्च किया, जो बिक्री में 30% योगदान दे रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये की कमजोरी (90 के पार) से आयातित कंपोनेंट्स महंगे हुए हैं, इसलिए टोयोटा ने लोकल पार्ट्स और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी पर जोर दिया है। भारत में EV बाजार 2025 में 8% तक पहुंचा है। टोयोटा का यह रोडमैप 2030 तक 30% EV बिक्री के लक्ष्य से जुड़ा है। कंपनी ने बिडाडी में नई EV लाइन भी शुरू की है।

यह रणनीति टोयोटा को मारुति, हुंडई और टाटा से आगे रखेगी। शेयर बाजार में टोयोटा किर्लोस्कर के शेयर 2% चढ़े। यह कदम भारत को EV हब बनाने में मदद करेगा।

Jio's Mega IPO on Horizon: Mukesh Ambani's Telecom Giant May Raise ₹37,000 Cr by June

2.5% Stake Sale to Value Reliance Jio at ₹20 Lakh Crore; Largest-Ever Indian IPO Expected to Break All Records

Mumbai: Reliance Jio Info comm, India's largest telecom operator, is gearing up for what could become the country's biggest-ever initial public offering (IPO), with plans to raise around ₹37,000 crore by selling a 2.5% stake by June 2026. Sources close to the development say the listing could value Jio at ₹20 lakh crore or more, surpassing the previous record set by LIC's ₹21,000 crore IPO in 2022.

The proposed IPO, being structured as an Offer for Sale (OFS), will see promoter Reliance Industries Ltd offload a small portion of its holding to unlock value and fund future expansions in 5G rollout, digital services, and enterprise solutions. Jio currently serves over 480 million subscribers and commands more than 38% market share in wireless telecom, with strong growth in data consumption, Jio-Fiber broadband, and Jio-Mart e-commerce.

Industry experts believe the timing is ideal, as Jio has turned profitable and posted consistent revenue growth. The company's valuation is being supported by its massive subscriber base, leadership in 5G deployment, and synergies with Reliance Retail and digital platforms. Analysts expect strong institutional interest, especially from global long-only funds, sovereign wealth funds, and domestic mutual funds.

A successful listing at ₹20 lakh crore valuation would not only set a new benchmark for Indian IPOs but also reinforce Reliance's position as India's most valuable conglomerate. The move comes at a time when India's digital economy is expanding rapidly, with telecom and data services playing a central role.

Market participants are closely watching regulatory clearances and market conditions. If executed smoothly, Jio's IPO could attract record retail and institutional participation, reflecting strong confidence in India's long-term growth story.

Sh. Pradeep Karambelkar
Founder & Editor

Dr. Irshad Ahmad Khan
Sub-Editor

Sh. Pushpendra Singh
Marketing Officer

Global Volatility Returns: How Wars, Elections and Oil Prices are Shaping Markets in 2026

Global markets are once again facing a period of heightened uncertainty in 2026. Investors across the world are navigating a complex mix of geopolitical conflicts, crucial elections in major economies, and sharp swings in crude oil prices. Together, these factors are increasing volatility and influencing investment decisions across equities, bonds, currencies, and commodities.

Geopolitical tensions remain a key concern. Conflicts in parts of Eastern Europe and the Middle East continue to affect global trade routes and energy supplies. Whenever tensions rise in oil-producing regions, markets react quickly. Higher crude prices increase inflation, raise costs for companies, and reduce consumers' spending power. This uncertainty often pushes investors toward safer assets like gold and government bonds, while equity markets witness sudden ups and downs.

History shows that wars have repeatedly disturbed markets. During the Russia–Ukraine conflict that began in 2022, global equities corrected sharply as oil and gas prices surged. Inflation rose worldwide, forcing central banks to raise interest rates aggressively. Indian markets also felt the pressure, but strong domestic demand helped limit the damage. These events highlight how global shocks can create short-term pain, even when long-term fundamentals remain sound.Elections in major economies are another major source of volatility in 2026. Political outcomes influence economic policies related to taxation, trade, defence spending, and interest rates. Until election results are known and new governments outline their priorities, markets tend to remain cautious. This uncertainty often leads to volatile capital flows, especially in emerging markets.

Past election cycles offer useful lessons. During earlier US presidential elections, global markets experienced sharp movements in the months leading up to the vote. Once results were declared and policy direction became clearer, markets gradually stabilised. In 2026, with several important elections taking place, investors are once again closely watching political developments and their potential impact on global growth.

Oil prices remain the third major factor shaping markets. Crude oil is a critical input for the global economy, and even small disruptions in supply can lead to big price movements. In the past, events like the Gulf War and the Arab Spring caused oil prices to spike, leading to inflation and market corrections. On the other hand, periods of low oil prices have supported growth in oil-importing countries like India.

In 2026, oil prices are caught between fears of supply disruption due to geopolitical risks and concerns about demand slowdown because of weak global growth. This push and pull is keeping energy markets volatile and adding to overall market uncertainty.

For investors, such an environment calls for patience and discipline. Volatility is uncomfortable, but it is not unusual. Markets have always moved in cycles and have survived wars, elections, oil shocks, and financial crises. Long-term wealth creation has rewarded investors who stayed invested during uncertain times.

For Indian markets, strong domestic drivers such as consumption growth, infrastructure spending, and improving corporate earnings continue to provide support. While global events may cause short-term volatility, India's long-term growth story remains intact.

In conclusion, 2026 is shaping up to be a year where global volatility dominates headlines. Wars, elections, and oil prices are influencing markets daily, but history suggests that uncertainty eventually fades. Investors who focus on fundamentals and long-term goals are better positioned to navigate this challenging phase.

Dr. Irshad Ahmod Khan
Sub-Editor

HPCL ने यूएई की ADNOC गैस से 10 साल के लिए 3 अरब डॉलर का LNG खरीदने का समझौता किया

सालाना 20 लाख टन LNG की आपूर्ति, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत; जामनगर रिफाइनरी को स्थिर कच्चा माल, गैस कीमतों में स्थिरता की उम्मीद

नई दिल्ली: हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने यूएई की ADNOC गैस के साथ 10 साल के लिए 3 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) के LNG (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) खरीदने का समझौता किया है। यह डील भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और आयात निर्भरता कम करने की दिशा में बड़ा कदम है। समझौते के तहत HPCL को सालाना 20 लाख टन LNG मिलेगा, जो कंपनी की जामनगर रिफाइनरी और अन्य प्लांट्स के लिए उपयोग होगा।

एचपीसीएल के सीएमडी राजकुमार दुबे ने कहा, यह लंबी अवधि का समझौता हमें स्थिर और प्रतिस्पर्धी कीमत पर गैस उपलब्ध कराएगा। ADNOC के साथ हमारा पुराना रिश्ता अब और मजबूत हुआ है। यह डील ADNOC के साथ भारत का सबसे बड़ा LNG सप्लाई समझौता है। LNG भारत की कुल गैस खपत का 50% से अधिक है और आयात पर निर्भरता 50% से ऊपर है।

यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब भारत गैस की हिस्सेदारी को 2030 तक 15% तक ले जाना चाहता है। ADNOC भारत के लिए विश्वसनीय स्रोत साबित हो रही है। इससे रिलायंस और गेल जैसी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे गैस कीमतें स्थिर रहेंगी और पावर, फर्टिलाइजर और सिटी गैस सेक्टर को लाभ होगा।
HPCL के शेयर बाजार में 1.2% चढ़े। यह डील 'ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को मजबूत करेगी।

India to Become World's Fastest-Growing Insurance Market: Swiss Re

Premium Growth to Accelerate to 6.9% Annually by 2030; Strong Economic Expansion, Rising Middle Class, and Digital Adoption to Drive Surge

New Delhi: India is set to emerge as the world's strongest-growing insurance market over the next decade, with total insurance premiums projected to rise at an average annual rate of 6.9% between 2025 and 2030, according to the latest sigma report from Swiss Re Institute. This growth rate significantly outpaces the global average of 2.9%, positioning India as a key driver of the global insurance industry.

The report highlights that India's insurance penetration remains low at around 4.2% of GDP well below the global average of 7% leaving substantial headroom for expansion. Rapid economic growth, a burgeoning middle class, increasing financial literacy, and rising demand for health, life, and property coverage are expected to fuel this acceleration. Life insurance premiums are projected to grow at 7.5% annually, while non-life (property & casualty and health) is expected to expand at 6.2%.

Swiss Re attributes the strong outlook to several structural tailwinds: urbanisation, higher disposable incomes, government initiatives such as PM Jeevan Jyoti Bima Yojana and Ayushman Bharat, and the rapid digitisation of insurance distribution. The entry of foreign players following the recent increase in FDI limits to 100% is also expected to bring innovation, competition, and product diversification.

Despite the positive trajectory, challenges remain, including low awareness in rural areas, regulatory complexities, and the need for greater insurance literacy. Swiss Re estimates that India's total insurance premiums could exceed USD 200 billion by 2030, up from around USD 120 billion in 2025.

As India targets a USD 5 trillion economy, the insurance sector is poised to play a critical role in financial inclusion, risk protection, and long-term savings. The report underscores India's potential to become one of the top three insurance markets globally by the end of the decade.

वेदांता ने 2,500 करोड़ रुपये के स्टॉक ऑप्शंस दिए: 5 साल में कर्मचारियों को लाभ

कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन प्लान (ESOP) से 1.5% हिस्सेदारी, प्रदर्शन आधारित; लंबी अवधि की प्रेरणा और कंपनी से जुड़ाव बढ़ाने का लक्ष्य

मुंबई: वेदांता लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों के लिए 2,500 करोड़ रुपये के स्टॉक ऑप्शंस देने की घोषणा की है। यह राशि अगले 5 वर्षों में वेस्ट होगी, जिसमें कंपनी की 1.5% हिस्सेदारी शामिल है। यह भारत के सबसे बड़े ESOP प्लान्स में से एक है, जो कर्मचारियों को कंपनी की सफलता से सीधे लाभांशित करेगा।

वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, हमारे कर्मचारी ही हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। यह ESOP प्लान उन्हें कंपनी के मालिकाना हक का एहसास दिलाएगा और लंबी अवधि में प्रदर्शन को बढ़ावा देगा। ऑप्शंस का वेस्टिंग प्रदर्शन आधारित होगा, जिसमें कंपनी के राजस्व, लाभ और शेयर मूल्य के लक्ष्यों से जुड़ा रहेगा। यह योजना 10,000 से अधिक कर्मचारियों को कवर करेगी, जिसमें सीनियर मैनेजमेंट से लेकर जूनियर स्तर तक शामिल हैं।

यह कदम वेदांता की तेज वृद्धि और विविधीकरण रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने हाल ही में एल्युमीनियम, ऑयल एंड गैस, जिंक और फेरस मेटल्स में बड़े निवेश की घोषणा की है। ESOP से कर्मचारियों का कंपनी से जुड़ाव बढ़ेगा और टैलेंट रिटेंशन में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्लान वेदांता के शेयर मूल्य को भी मजबूत कर सकता है।

वेदांता के शेयर बाजार में 1.8% चढ़े। यह योजना 'आत्मनिर्भर भारत' और कर्मचारी-केंद्रित कॉर्पोरेट कल्चर को बढ़ावा देगी। कंपनी का कुल मार्केट कैप 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह ESOP भारत के कॉर्पोरेट सेक्टर में कर्मचारी भागीदारी का नया उदाहरण पेश करेगा।

Adani Group Unveils Rs 6 Lakh Crore Investment Blueprint at Davos WEF 2026

Massive Capex Plan Across Green Energy, Ports, Airports, and Digital Infrastructure; Aims to Accelerate India's Journey to $5 Trillion Economy

Davos: At the World Economic Forum (WEF) Annual Meeting 2026, Gautam Adani, Chairman of the Adani Group, presented an ambitious Rs 6 lakh crore investment blueprint for India over the next decade. The plan, unveiled during a high-profile session on emerging markets, focuses on accelerating India's transition to a $5 trillion economy through large-scale investments in green energy, ports, airports, digital infrastructure, and critical minerals.
Speaking on a panel titled "Building the Next Growth Engine," Adani outlined the group's commitment to sustainability and inclusive growth. Key pillars of the blueprint include:

• Rs 3 lakh crore in renewable energy and green hydrogen, targeting 45 GW of renewable capacity by 2030
• Rs 1.5 lakh crore in ports, logistics, and airports to enhance India's global trade connectivity
• Rs 1 lakh crore in digital infrastructure, data centres, and new-age tech ecosystems
• Rs 50,000 crore in critical minerals, battery manufacturing, and defence

Adani emphasized that the investments will create over 5 lakh direct and indirect jobs and contribute significantly to India's net-zero goals by 2070. India is not just a market it is the future growth engine of the world. Our blueprint is aligned with national priorities and global sustainability demands, he said.

The announcement drew strong interest from global investors and multilateral agencies present at Davos. Several MoUs and strategic discussions were initiated on the side-lines, particularly around green hydrogen and critical minerals supply chains.

Industry experts view the plan as a major signal of private sector confidence in India's long-term growth story. With the group already executing over Rs 3 lakh crore in ongoing capex, the new blueprint reinforces Adani's position as one of India's largest infrastructure investors.
The WEF 2026 theme "Rebuilding Trust" resonated with Adani's emphasis on transparent execution, ESG compliance, and inclusive development. As India eyes deeper integration into global supply chains, the Adani Group's Rs 6 lakh crore vision could play a pivotal role in shaping the country's economic trajectory over the next decade.

Skoda Bets Big on India's Growth Story: Eyes Expanded Line-up and Diversified Exports

New Models and Production Ramp-Up to Drive 20%+ Annual Growth; Targets Emerging Markets Beyond Europe for Global Reach

Pune: Skoda Auto India is doubling down on its long-term commitment to the Indian market, with plans to significantly expand its product range and diversify export destinations over the next five years. Speaking at the company's annual media briefing, Skoda Auto India Brand Director Petr Janeba said the Indian growth story remains one of the strongest globally, and the brand is aligning its strategy to capture a larger share of the fast-growing SUV and premium sedan segments.
Skoda currently sells the Kushaq, Slavia, Kodiaq, and Superb in India, with the Kylaq compact SUV recently launched to target the high-volume sub-4 metre segment. Janeba confirmed that at least three new models including an electric SUV are in the pipeline by 2028, leveraging the India-specific MQB-A0-IN platform for cost efficiency and localisation.
India is not just a volume market for us; it's a strategic hub, Janeba said. We are increasing localisation to over 95% and ramping up exports from our Pune plant to new markets in Africa, Southeast Asia, and Latin America. Currently, Skodaexports around 20,000 units annually, mainly to Europe and the Middle East. The company aims to double exports by FY28, reducing dependence on the European market amid slowing demand.
The expansion is supported by Volkswagen Group's India 2.0 strategy, which includes a Rs 10,000 crore investment in manufacturing, R&D, and charging infrastructure. Skoda's India sales grew 18% in 2025, with SUVs contributing 70% of volumes.
Analysts view the strategy positively, forecasting Skoda's India volumes to cross 1 lakh units annually by 2028. Shares of parent Volkswagen Group traded stable amid the announcement. As India targets 10 million annual passenger vehicle sales by 2030, Skoda's focus on localisation, EVs, and export diversification positions it well for sustained double-digit growth in one of the world's fastest-growing auto markets.

Inox to Acquire Macquarie-Owned Renewable Platform Vibrant Energy

Rs 8,500 Crore Deal to Boost Inox Wind's Portfolio to 10 GW; Strategic Move to Strengthen Position in India's Fast-Growing Renewables Market

Mumbai: Inox Wind Ltd, a leading wind energy player, has agreed to acquire Vibrant Energy, the India-focused renewable platform owned by Macquarie Asset Management, in a deal valued at approximately Rs 8,500 crore. The transaction, announced late Wednesday, marks one of the largest acquisitions in India's renewable energy sector this year and significantly expands Inox's footprint in wind and solar.

Vibrant Energy owns a portfolio of 2.2 GW of operational and under-construction wind and solar projects across Rajasthan, Gujarat, Karnataka, and Tamil Nadu. The acquisition includes 1.1 GW of operational assets generating stable cash flows and 1.1 GW of projects in advanced stages of development. Inox Wind will also gain access to Vibrant's experienced team and established relationships with state utilities and discoms.

Inox Group Chairman and Managing Director Devendra Jain said, this strategic acquisition accelerates our growth trajectory and strengthens our position as a leading integrated renewable energy player. It aligns perfectly with our target of achieving 10 GW of renewable capacity by 2030. The deal is expected to be funded through a combination of internal accruals, debt, and potential equity raise.

The transaction comes at a time when India's renewable energy capacity is expanding rapidly toward the 500 GW non-fossil target by 2030. Inox Wind, which has already commissioned over 3 GW, will benefit from Vibrant's operational assets and pipeline to improve revenue visibility and cash flows.

Analysts view the acquisition positively, estimating it could add Rs 1,500-2,000 crore in annual EBITDA once fully operational. Inox Wind shares rose 4.2% to Rs 210 on BSE following the announcement, reflecting strong investor confidence.

As competition intensifies in India's renewable sector, the deal positions Inox to capture a larger share of the growing wind and hybrid project market while reducing execution risk through a ready portfolio.

Tata Motors Eyes 6,000 e-Bus Orders Without Joining Price Wars

Focus on Premium Quality and Total Cost of Ownership; Aims to Lead India's Largest e-Bus Tender with Superior Technology and After-Sales Support

Mumbai: Tata Motors is preparing a strong bid for the upcoming 6,000 electric bus tenders floated by state transport undertakings, but the company has made it clear it will not participate in a price war. Instead, it plans to compete on the basis of product quality, reliability, lower total cost of ownership (TCO), and robust after-sales service.

Speaking at an industry event, Shailesh Chandra, Managing Director, Tata Motors Passenger Vehicles, said, we are not in the race to offer the lowest price. Our focus is on delivering the best value over the life of the bus through longer range, faster charging, lower maintenance, and higher uptime. That's the only sustainable way to win in the long run.

The 6,000 e-bus tenders, one of the largest in the country, is being executed under the PM e-DRIVE scheme and state-level EV adoption programmes. Tata Motors, which already commands over 60% share in the electric bus market, intends to offer its latest 9-metre and 12-metre ultra-low-floor buses with advanced features like 300+ km range, fast-charging capability, and connected diagnostics.

Industry experts note that aggressive price competition in previous tenders has led to financial stress for some players. Tata's strategy of avoiding deep discounts is seen as a mature approach, especially as operators increasingly prioritise lifecycle costs over upfront price. The company has already delivered over 7,000 e-buses across India, with strong performance in cities like Mumbai, Pune, and Delhi.

With India targeting 50,000 electric buses by 2030, Tata Motors is positioning itself as the most reliable partner for state transport corporations. The outcome of this tender will be closely watched as a benchmark for the future of India's e-mobility ecosystem.

अवाडा SJVN के सोलर-विंड हाइब्रिड प्रोजेक्ट के लिए 700 मिलियन डॉलर जुटाने में जुटी

स्टैंडर्ड चार्टर्ड, SMBC और अन्य बैंकों से बातचीत, 1.5 GW प्रोजेक्ट को फंडिंग; रिन्यूएबल एनर्जी में तेजी से विस्तार

मुंबई: रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अवाडा ग्रुप SJVN के साथ साझेदारी में विकसित सोलर-विंड हाइब्रिड प्रोजेक्ट के लिए 700 मिलियन डॉलर (लगभग 5,900 करोड़ रुपये) जुटाने की प्रक्रिया में है। कंपनी ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड, सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (SMBC) और अन्य प्रमुख बैंकों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। यह फंडिंग प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को गति देने में मदद करेगी।

अवाडा और SJVN ने संयुक्त रूप से 1.5 गीगावाट (GW) क्षमता का सोलर-विंड हाइब्रिड प्रोजेक्ट विकसित करने का समझौता किया है। यह प्रोजेक्ट मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात में लगाया जाएगा। अवाडा के सीईओ विकास जैन ने कहा, यह फंडिंग हमें प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने में सक्षम बनाएगी। हमारा लक्ष्य 2030 तक 10 GW रिन्यूएबल क्षमता हासिल करना है।यह डील भारत के रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में बढ़ते विदेशी निवेश का संकेत है। बैंक इस प्रोजेक्ट को ग्रीन फाइनेंसिंग के तहत फंडिंग दे रहे हैं, जिसमें कम ब्याज दरें और लंबी अवधि की राशि शामिल है। विशेषज्ञों का मानना है कि हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स ग्रिड स्थिरता बढ़ाते हैं और लागत कम करते हैं।

अवाडा ग्रुप की कुल रिन्यूएबल क्षमता वर्तमान में 5 GW से अधिक है। यह फंडिंग कंपनी को और बड़े प्रोजेक्ट्स हासिल करने में मदद करेगी। भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 GW नॉन-फॉसिल क्षमता है, जिसमें सोलर-विंड हाइब्रिड का बड़ा योगदान होगा। यह समझौता 'आत्मनिर्भर भारत' और हरित ऊर्जा के लक्ष्य को मजबूत करेगा।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स तेलंगाना में 300 करोड़ का निवेश करेगी: नई फैसिलिटी से रक्षा और स्पेस सेक्टर को मजबूती

2026 में शुरू होगी यूनिट, 1,500 नौकरियां सृजित होंगी; इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस में आत्मनिर्भर भारत को गति

हैदराबाद: अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड (Apollo Micro Systems) ने तेलंगाना में 300 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी राज्य में एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करेगी, जो रक्षा, स्पेस, एयरोस्पेस और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के लिए उच्च-प्रदर्शन वाले इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स और सब-सिस्टम्स का उत्पादन करेगी। यह फैसिलिटी 2026 की दूसरी तिमाही तक चालू होने की उम्मीद है।

कंपनी के चेयरमैन और एमडी डॉ. रमेश चंद्रन ने कहा, तेलंगाना में यह निवेश हमारी उत्पादन क्षमता को दोगुना करेगा। हम रक्षा और स्पेस मिशनों के लिए क्रिटिकल इलेक्ट्रॉनिक्स का स्थानीय उत्पादन बढ़ाएंगे। फैसिलिटी में PCB असेंबली, टेस्टिंग लैब, क्लीन रूम और R&D सेंटर शामिल होंगे। इससे कंपनी DRDO, ISRO और अन्य सरकारी संगठनों को बेहतर सप्लाई कर सकेगी।

यह निवेश राज्य में 1,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेगा। तेलंगाना सरकार ने कंपनी को लैंड और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा, यह निवेश तेलंगाना को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में मदद करेगा।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स पहले से रक्षा और स्पेस में सक्रिय है। कंपनी ने हाल ही में कई बड़े ऑर्डर हासिल किए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसिलिटी भारत को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में आयात निर्भरता कम करने में मदद करेगी। कंपनी के शेयर बाजार में चढ़े। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को मजबूत करेगा।

MPBIL/2013/49052
INVESTMENT AVENUES®
(इन्वेस्टमेंट एवेनयुस)
(A Publication of Vision Invest Tech Pvt. Ltd.)

INVESTMENT AVENUES
CALL FOR ARTICLES
Share Your Knowledge with
INVESTMENT AVENUES
We invite individual, professionals, and entrepreneurs to contribute their expertise and experiences.

- STOCK MARKET
- MUTUAL FUNDS
- REAL ESTATE
- STARTUPS & ENTREPRENEURSHIP

Guidelines:
1. Article must be original
2. Submit in MS Word format
3. Length should not exceed 500 words

editor@investmentavenues.in
write with us, inspire others, and make your voice heard in the world of investments!

INVESTMENT AVENUES®
Looking To Invest In Real Properties & Valued Businesses In BhopaL
Discover genuine real estate and well-assessed business opportunities — safe-to-invest and growth-oriented.
Secure Deals. Smart Investments.

EMAIL: INVESTMENTAVENUES90@GMAIL.COM
CONTACT: +91 73899 26586

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock name	losing Rat	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	25049	26225	25939	25494	25208	24763	24477	24032
BANK NIFTY	58473	61416	60754	59614	58952	57812	57150	56010
SENSEX	81538	85343	84419	82978	82054	80613	79689	78248
FINNIFTY	26821	28141	27860	27340	27059	26539	26258	25738
MIDCAP	13067	14235	13969	13518	13252	12801	12535	12084
ACC	1676	1825	1791	1733	1699	1641	1607	1549
AXISBANK	1254	1381	1353	1304	1276	1227	1199	1150
ABCAPITAL	346	383	375	360	352	337	329	314
BHARTIARTL	1988	2068	2045	2017	1994	1966	1943	1915
BHEL	242	287	278	260	251	233	224	206
BIOCON	367	396	387	377	368	358	349	339
CDSL	1327	1529	1482	1405	1358	1281	1234	1157
DATAPATTERN	2175	2835	2700	2438	2303	2041	1906	1644
ESCORTS	3472	3857	3778	3625	3546	3393	3314	3161
EICHERMOTOR	6966	7646	7509	7238	7101	6830	6693	6422
FEDERAL BANK	280	306	297	288	279	270	261	252
GRINFRAPOJECT	921	986	963	942	919	898	875	854
HDFCBANK	916	959	947	932	920	905	893	878
HCLTECH	1705	1780	1750	1728	1698	1676	1646	1624
HINDUNILVR	2406	2530	2484	2445	2399	2360	2314	2275
HAL	4306	4766	4645	4476	4355	4186	4065	3896
HYUNDAI	2264	2446	2400	2332	2286	2218	2172	2104
IOC	156	166	164	160	158	154	152	148
ICICIBANK	1346	1449	1425	1385	1361	1321	1297	1257
INFY	1672	1748	1717	1694	1663	1640	1609	1586
ITC	323	346	340	332	326	318	312	304
KOTAKBNK	425	447	439	432	424	417	409	402
LICHOUSING	506	557	546	526	515	495	484	464
LT	3750	4002	3939	3845	3782	3688	3625	3531
LUPIN	2138	2266	2237	2188	2159	2110	2081	2032
MARUTI	15519	16825	16534	16026	15735	15227	14936	14428
M&M	3555	3828	3758	3657	3587	3486	3416	3315
MGL	1082	1181	1153	1117	1089	1053	1025	989
MAZGAONDOC	2305	2609	2542	2423	2356	2237	2170	2051
PFC	359	398	387	373	362	348	337	323
RECLTD	363	397	386	374	363	351	340	328
RELIANCE	1387	1512	1482	1434	1404	1356	1326	1278
SBIN	1028	1081	1068	1048	1035	1015	1002	982
SUNPHARMA	1633	1759	1723	1678	1642	1597	1561	1516
SHRIRAMFINANCE	1004	1072	1046	1025	999	978	952	931
TITAN	4020	4383	4295	4157	4069	3931	3843	3705
TCS	3161	3365	3292	3227	3154	3089	3016	2951
TATAMOTORS	345	372	363	354	345	336	327	318
UPL	700	900	850	775	725	650	600	525
VALIENT	238	269	259	248	238	227	217	206
WIPRO	238	261	257	247	243	233	229	219

रेमंड रियल्टी का नया लग्जरी प्रोजेक्ट: मुंबई में 5,000 करोड़ राजस्व का लक्ष्य

ठाणे में 30 एकड़ प्रीमियम टाउनशिप, 2028 तक पूरा; हाई-एंड बायर्स को टारगेट, रियल एस्टेट में प्रीमियम सेगमेंट की बढ़ती मांग

मुंबई: रेमंड ग्रुप की रियल एस्टेट शाखा रेमंड रियल्टी ने मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में एक नया लग्जरी हाउसिंग प्रोजेक्ट लॉन्च करने की घोषणा की है। ठाणे में 30 एकड़ भूमि पर विकसित होने वाला यह प्रीमियम टाउनशिप प्रोजेक्ट कंपनी के लिए 5,000 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व उत्पन्न करने का लक्ष्य रखता है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

प्रोजेक्ट में 2 और 3 BHK लग्जरी अपार्टमेंट्स, पेंटहाउस और विला-स्टाइल यूनिट्स शामिल होंगी। यह हाई-एंड बायर्स को टारगेट करेगा, जिनकी मांग मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रही है। रेमंड रियल्टी के एमडी गौतम हरीश ने कहा, मुंबई में प्रीमियम सेगमेंट की मांग अब पहले से कहीं अधिक है। यह प्रोजेक्ट हमारी ब्रांड वैल्यू और क्वालिटी पर फोकस को दर्शाता है। हम 2028 तक इसे पूरा कर लेंगे।

रेमंड रियल्टी ने पिछले वर्षों में ठाणे, ठाणे बेलापुर रोड और घोडबंदर रोड जैसे क्षेत्रों में कई प्रोजेक्ट्स सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। कंपनी का कुल डेवलपमेंट पोर्टफोलियो अब 20 मिलियन वर्ग फुट से अधिक है। इस नए प्रोजेक्ट से कंपनी की वार्षिक बिक्री में 30% तक की बढ़ोतरी की उम्मीद है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई में लग्जरी हाउसिंग की मांग HNIs और NRIs से बढ़ रही है। रेमंड रियल्टी का यह कदम रियल एस्टेट सेक्टर में प्रीमियम सेगमेंट की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। यह प्रोजेक्ट मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के रियल एस्टेट को नई ऊंचाई देगा।

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in